हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 3 मई 2026

तापमान
अधिकतम 41.1 डिग्री
न्यूनतम 20.4 डिग्री

12 भाजपा के 8 नेताओं पर गिरी गाज छह साल के ...

12 शहीदी स्मारक में खूबसूरती से उकेरी शहीदों की गाथाएं

खबर संक्षेप

अनाज मंडी से गेहूं चुराते दो युवक पकड़े

यमुनानगर। गांव रसूलपुर अनाज मंडी से गेहूं चोरी करते हुए दो युवकों को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जिला अंबाला के सलोला गांव निवासी जितेंद्र मोहन ने साढ़ौरा पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसने रसूलपुर अनाज मंडी में आढ़त की दुकान की हुई है। एक मई को दोपहर दो बजे वह अपनी दुकान पर मौजूद था। इस दौरान उसकी दुकान के बाहर से दो युवक गेहूं का कट्टा चोरी करने लगे। उन्होंने मौके पर पहुंचकर आरोपियों को पकड़ लिया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों आरोपी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों की पहचान साढ़ौरा के प्रेम नगर निवासी हर्ष व असलम के रूप में हुई।

दो भाइयों को डंडों से पीटकर किया घायल

यमुनानगर। पुराना हमीदा कॉलोनी में मामूली कहासुनी ने हिंसक रूप ले लिया। चरणजीत सिंह अरोड़ा ने पुलिस को बताया कि कुछ दिन पहले हरभजन सिंह से विवाद हुआ था, जिसे लोगों ने शांत करवा दिया था। 1 मई को जब वह अपने भाई मनोज के साथ जा रहे थे, तब हरभजन सिंह अपने साथियों नरेश, निखिल, अमन, अजय, सचिन, संतोष और खुशबू के साथ रास्ते में रोककर डंडों से हमला कर दिया। शोर सुनकर लोग इकट्ठा हुए तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने जांच के बाद आठ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

फंदे पर लटका मिला युवक का शव

पानीपत। पानीपत के गांव बडौली निवासी 21 वर्षीय विशाल का शव उसके खेत में बने ट्यूबवेल के कोठे में फंदे पर लटका मिला। पुलिस की जांच में पता चला कि विशाल का कोठे के अंदर लोहे के गाटर से रस्सी के बजाय लोहे के तार पर लटका मिला। दूसरी ओर, परिजनों ने विशाल की हत्या की आशंका जताई है। जबकि पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद विशाल का शव उसके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने बताया कि विशाल की मौत की हर पहलू को ध्यान में रख कर गहन जांच शुरू कर दी है।

अंबालाः ऑटो पलटा छह स्कूली छात्र जख्मी

अंबाला। सैन्य क्षेत्र स्थित सर्किट हाउस के पास शनिवार सुबह बड़ा सड़क हादसा हो गया। बच्चों को स्कूल ले जा रहा एक ऑटो अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया, जिसमें 6 स्कूली बच्चे घायल हो गए। सभी बच्चों को तुरंत कैंट के नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा सुबह करीब 7:30 बजे हुआ, जब ऑटो चालक अनिल डिफेंस कॉलोनी से बच्चों को लेकर स्कूल जा रहा था। सर्किट हाउस के पास अचानक सामने से एक महिला एक्टिवा पर आ गई, जिसे बचाने के प्रयास में चालक ने ऑटो मोड़ा और वाहन पलट गया। सभी बच्चे मिक्की मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र हैं, जिनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

बराड़ाः पुलिस के हत्थे चढ़ा भगोड़ा

बराड़ा। पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। वर्ष 2016 के एक पुराने सड़क दुर्घटना मामले में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर दिया है। केस स्टेट बनाम परवीन कुमार में आरोपी प्रवीन कुमार वासी गांव सुभरी को अदालत द्वारा 31 अकतूबर 2022 को भगोड़ा घोषित किया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए अदालत के आदेशों की पालना में 2 मई 2026 को आरोपी को उसके गांव सुभरी से विधि अनुसार काबू कर लिया। गिरफ्तारी के बाद कानूनी कार्रवाई की जा रही।

तरावड़ी: तड़के 4:15 बजे हेलमेट पहने युवक ने पिस्टल तान मांगा कैश

सुरक्षा पर सवालः अल सुबह पेट्रोल पंप पर लूट की कोशिश

- कर्मी के वार से चली गोली दीवार पर लगा निशान
- शोर मचाते ही दूसरा कर्मचारी पहुंचा, आरोपी मौके से फरार
- सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने जांच तेज की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी। पिस्तौल तान कर सेल्समैन से कैश छीनने का प्रयास करता युवव एवं पुलिस पंप मालिक से जानकारी लेती पुलिस।

जीटी रोड स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर शनिवार तड़के एक अज्ञात युवक द्वारा लूट का प्रयास किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। युवक पेट्रोल डलवाने के बहाने आया और बाद में पिस्टल दिखाकर पंप पर तैनात कर्मचारी से कैश लूटने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारी की सूझबूझ से वारदात टल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 4:15 बजे एक युवक बिना नंबर की बाइक पर हेलमेट पहनकर पेट्रोल पंप पर पहुंचा और 100 रुपये का पेट्रोल डलवाया। पेट्रोल भरवाने के बाद उसने अचानक कर्मचारी पर पिस्टल तान दी और कैश देने की धमकी दी। इसी दौरान कर्मचारी ने हिम्मत दिखाते हुए युवक के हाथ पर वार कर दिया, जिससे पिस्टल से चली गोली सामने दीवार पर जा लगी। घटना के बाद कर्मचारी द्वारा शोर मचाने पर दूसरा कर्मचारी भी बाहर आ गया, जिसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना में कर्मचारी बाल-बाल बच गया, जबकि गोली के निशान पेट्रोल पंप की दीवार पर साफ देखे जा सकते हैं। सूचना मिलते ही पेट्रोल पंप मालिक हनी चौधरी मौके पर पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। कुछ ही देर में थाना तरावड़ी पुलिस व डायल 112 टीम मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने पंप पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज कब्जे में लेकर आसपास के कैमरों की भी जांच शुरू कर दी है। थाना अध्यक्ष राजपाल ने बताया कि आरोपी की पहचान के लिए आसपास के सभी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

आरोपी मौके से फरारः सुरेश कुमार

पेट्रोल पंप कर्मचारी सुरेश कुमार ने बताया कि सुबह करीब 4:15 बजे एक युवक बाइक पर आया और 100 रुपये का पेट्रोल डलवाया। जैसे ही वह पैसे लेकर कमरे की ओर जा रहा था, युवक ने पीछे से पिस्टल तान दी और कैश मांगने लगा। सुरेश के अनुसार, "मैंने तुरंत उसके हाथ पर वार किया, जिससे गोली चल गई और दीवार पर जा लगी। मैं शोर मचाने लगा, जिसके बाद दूसरा कर्मचारी भी बाहर आ गया और आरोपी मौके से फरार हो गया।

10 मिनट में पुलिस पहुंची

पंप मालिक हनी चौधरी का बयानः पेट्रोल पंप मालिक हनी चौधरी ने बताया कि जैसे ही उन्हें कर्मचारी का फोन आया, वह तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। करीब 10 मिनट में पुलिस मौके पर पहुंच गई और जांच शुरू कर दी।

इंद्री हिंसा पर पुलिस का बड़ा एक्शन

20 लोगों पर केस दर्ज, इलाके में तनाव, सुरक्षा बढ़ाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल (इंद्री)

करनाल जिले के इंद्री कस्बे के वार्ड-10 में एक खाली प्लॉट और नमाज पढ़ने को लेकर शुरू हुआ विवाद शुक्रवार को हिंसक संघर्ष में तब्दील हो गया। इस घटना के बाद पुलिस ने आज बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 हमलावरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की इस सख्ती के बाद इलाके में हड़कंप मचा हुआ है।

बरसों पुराना प्लॉट विवाद

जानकारी के अनुसार, वार्ड-10 के निवासी पप्पू और वासिल के बीच एक प्लॉट को लेकर पिछले कई वर्षों से कानूनी और सामाजिक विवाद चल रहा है। यह विवाद उस समय खूनी संघर्ष में बदल गया जब एक पक्ष वहां नमाज पढ़ने के लिए इकट्ठा हुआ। दूसरे पक्ष ने इसका विरोध किया, जिसके बाद कहासुनी शुरू हुई और देखते ही देखते दोनों ओर से पत्थरबाजी होने लगी।

लूट-तोड़फोड़ का आरोप

पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता गुड्डी (पत्नी बलतली) ने आरोप लगाए हैं। हमलावर हाथों में लाठी-डंडे, तलवारें और तेजधार हथियार लेकर आए थे। आरोप है कि हमलावरों ने घर में घुसकर न केवल मारपीट की, बल्कि अलमारी तोड़कर 30 हजार रुपये नकद भी लूट लिए। उपद्रवियों ने घर में मौजूद बच्चों और यहाँ तक कि पालतू मवेशियों (बकरी) को भी नहीं बख्शा। घर का सारा सामान तोड़ दिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अब 'एक्शन मोड' में है।

नामजद आरोपी

वासिल, सलीम, पप्पू, साहिल, नदीन, आमिर खान, शामिल, कादर, राशिद, सोहिल, रासत, सलाम, सादिल, तमिल और तालिम (पुत्र राशिद)।

आरोपियों की पहचान की जा रही

हमने मामला दर्ज कर लिया है और हर एंगल से जांच की जा रही है। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। इलाके में शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात है और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है।

5-6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए

इस हिंसा में करीब 5-6 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों में बाबू, नन्हा, कातिशा और शहजान की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

यमुनानगर। प्रताप नगर थाना क्षेत्र के गांव बल्लेवाला के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली के टक्कर लगने से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने अज्ञात ट्रैक्टर ट्राली चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार गांव खिजरी निवासी प्रिंस ने प्रताप नगर पुलिस थाने में दी शिकायत में बताया कि उसका भाई बंटी एक मई को दोपहर 12 बजे अपनी बाइक से किसी काम से जा रहा था। जब वह गांव बल्लेवाला के पास पहुंचा तो तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने उसके भाई बंटी की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बंटी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी ट्रैक्टर ट्राली चालक मौके से फरार हो गया। राहगीरों ने हादसे की सूचना डायल 112 पुलिस टीम को दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां पर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने ट्रैक्टर ट्राली चालक के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

मनोहर लाल ने नवदंपति को दिया आशीर्वाद

नीलोखेड़ी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल शिवनाथ कपूर के सुपुत्र नवीन कपूर को आशीर्वाद देते हुए। फोटोः हरिभूमि

नीलोखेड़ी। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने भाजपा नेता एवं मार्केट कमेटी के चेयरमैन शिव नाथ कपूर तथा विहिप हरिद्वार के जिलाध्यक्ष बलराम कपूर के आवास पर पहुंचकर नवविवाहित दंपति नवीन कपूर एवं अंजली को आशीर्वाद दिया और उनके सुखद एवं समृद्ध जीवन की कामना की। उल्लेखनीय है कि गत दिवस शिव नाथ कपूर के सुपुत्र एडवोकेट नवीन कपूर का विवाह लाडवा के राजीव गुलाटी की सुपुत्री अंजली के साथ संपन्न हुआ था। विवाह के बाद नवदंपति को बधाई देने के लिए केंद्रीय मंत्री खट्टर विशेष रूप से कपूर निवास पर पहुंचे।इस अवसर पर नवदंपति के साथ शिव नाथ कपूर के परिजन, जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, एडवोकेट कविंद्र राणा, सूरज दुआ, धैर्य कपूर, प्रवीण आनंद, निखिल मलिक सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने नवदंपति को आशीर्वाद देते हुए उनके वैवाहिक जीवन के लिए शुभकामनाएं दीं। शिव नाथ कपूर ने अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया और उनके आगमन पर आभार व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री का यह दौरा क्षेत्र में चर्चा का विषय बना रहा।

सुरक्षा नियमों की अनदेखी पर तीन होटल संचालक गिरफ्तार

- मेहमानों की एंट्री पोर्टल पर अपलोड न करने पर केस दर्ज

यमुनानगर। सुरक्षा नियमों की अनदेखी करने पर पुलिस ने तीन होटलों के संचालकों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये होटल मेहमानों की जानकारी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड नहीं कर रहे थे। पहला मामला जगाधरी के होटल द-हैप्पी लैंड का है। पुलिस टीम जांच के लिए पहुंची तो रिकॉर्ड अधूरा मिला और पोर्टल पर एंट्री नहीं थी। मौजूद अनिकेत को गिरफ्तार किया गया और होटल मालिक नरेंद्र के खिलाफ केस दर्ज किया गया। दूसरे मामले में शहर के होटल ब्लूबेरी में जांच के दौरान मेहमानों की कोई ऑनलाइन एंट्री नहीं मिली। पुलिस ने संचालक शुभम शर्मा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मामला दर्ज किया। तीसरी कार्रवाई एमएलएम कॉलेज के पास स्थित होटल पारस में हुई। यहां विजिटर रजिस्टर और पोर्टल का रिकॉर्ड मेल नहीं खा रहा था। कई एंट्रियां अपलोड नहीं थीं। इस पर होटल मालिक विपिन कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस का कहना है कि प्रशासन के स्पष्ट आदेश हैं कि हर होटल में ठहरने वाले मेहमानों का पूरा रिकॉर्ड पोर्टल पर अपडेट किया जाए। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी की जा रही थी। पुलिस ने साफ किया है कि सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और आगे भी ऐसे होटलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

रिटायर्ड बैंक ऑफिसर के भवन से 25 तोला सोना व नकदी पर हाथ साफ

- वारदात के समय पीड़ित परिवार गुरुग्राम गया हुआ था

अंबाला। अंबाला शहर के सेक्टर-9 में चोरों ने एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी के बंद मकान के ताले तोड़कर लाखों रुपये की चोरी की। शातिर करीब 25 तोले सोना व बेडरूम में रखी 38 हजार रुपये की नकदी चुरा ले गए। वारदात के समय पीड़ित परिवार गुरुग्राम गया हुआ था। 30 अप्रैल को जब घर लौटे तो सामान गायब था। पुलिस ने केस दर्ज कर इलाके के सीसीटीवी खंगालने शुरू कर दिए। राहत की बात यह रही कि इस वारदात के दौरान बेड में छिपाकर रखे लाखों रुपये के गहने बच गए।पिछली दीवार फांदकर घुसे थे चोर सेक्टर-9 के रामेश्वर दास ने बताया कि वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से सेवानिवृत्त हैं। 16 अप्रैल को अपने घर को ताला लगाकर गुरुग्राम में रहने वाले अपने बेटे मोहित के पास गए थे। वीरवार शाम करीब 4 बजे जब वह लौटे तो देखा कि घर के ताले टूटे पड़े थे। चोर पिछली दीवार फांदकर कमरों की कुंडी तोड़कर दाखिल हुए थे। चोरों ने बेडरूम में रखी लोहे की अलमारी का लॉकर तोड़कर उसमें रखे सोने के गहने चुरा लिए। इसमें 8 सोने की चूड़ियां, 2 कड़े, 2 चेन, 4 अंगूठियां व 3 गिन्नी शामिल हैं, जिनका कुल वजन करीब 25 तोले हैं। इसके अलावा बेडरूम में रखे 38 हजार रुपये भी गायब मिले। जांध अधिकारी सब इंस्पेक्टर कुशलपाल ने बताया कि आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल जा रही है।

नहर में लापता युवक की तलाश के लिए चलाया सर्च ऑपरेशन

कुरुक्षेत्र। नहर में लापता युवक की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शनिवार को भी जारी रहा। युवक सुसाइड करने की बात बोलकर लापता हुआ था। एसडीआरएफ -गोताखोर की टीम युवक की तलाश में लगे है। उधर पुलिस लापता युवक का मोबाइल नंबर ट्रेस कर रही है। बता दे कि वीरवार दोपहर को पिहोवा का युवक कुलदीप सिंह वीडियो में सुसाइड करने की बात कहकर लापता हो गया था। शाम को उसकी बाइक ज्योतिसर गांव के पास भाखड़ा नहर के पास से बरामद हुई थी। कुलदीप ने लापता होने से पहले अपने परिवार को कुछ वीडियो भेजे थे जिसमें उसने आर्थिक परेशानी और कुछ लोगों की ओर से कथित धोखाधड़ी का जिक्र किया था। वीडियो भेजने के बाद उसका मोबाइल बंद हो गया।

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

जंक फूड से बचने एवं स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया

विज्ञान को रोचक बनाने के लिए हैंड्स-ऑन गतिविधियों पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकगण। फोटोः हरिभूमि

राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद् (एनसीएसएम), संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की एक इकाई, कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केन्द्र में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पूजा मॉडर्न पब्लिक स्कूल, कुरुक्षेत्र, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, अजराना कलां, एसजीएनपी गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहाबाद, एसओएम कॉन्वेंट गुरुकुल, केएस कॉन्वेंट स्कूल, कुरुक्षेत्र, गुरुकुल कुरुक्षेत्र, माता रुक्मणी राय आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, शाहाबाद, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय, कुरुक्षेत्र तथा गीता गर्ल्स वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कुरुक्षेत्र के 25 शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनके माध्यम से उन्हें विज्ञान को सरल, रोचक एवं व्यवहारिक तरीके से पढ़ाने की नवीन समझ प्राप्त हुई। इससे वे कक्षा में विद्यार्थियों को विषयों को अधिक प्रभावी ढंग से समझा सकेंगे। कार्यक्रम के दौरान शिक्षा अधिकारी सुजीत कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों ने विभिन्न विषयों पर आयोजित हैंड्स-ऑन गतिविधियों एवं विज्ञान व्याख्यानों के जरिए यह सीखा कि जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को सरल उदाहरणों तथा दैनिक जीवन से जोड़कर विद्यार्थियों तक प्रभावी रूप से कैसे पहुंचाया जा सकता है। फैंटास्टिक केमिस्ट्री गतिविधियों के अंतर्गत शिक्षकों को एक्सोथर्मिक एवं एंडोथर्मिक अभिक्रियाओं तथा हाइड्रोकार्बन ईंधनों से संबंधित प्रयोगों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिक्षक स्वयं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी जंक फूड से बचने एवं स्वस्थ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित कर सकें।

कम लागत में नवाचार और अनुभवात्मक शिक्षण पर जोर

कार्यक्रम में कम लागत वाले शिक्षण सहायक उपकरण एवं वैज्ञानिक खिलौनों का निर्माण भी कराया गया। इससे शिक्षकों में यह विश्वास विकसित हुआ कि सीमित संसाधनों में भी प्रभावी एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षण संभव है। फेफड़ों का मॉडल, बनौर्ली सिद्धांत, ऊर्जा स्थानांतरण तथा साइंस किट जैसी गतिविधियों ने शिक्षकों की रचनात्मकता एवं नवाचार क्षमता को प्रोत्साहित किया। इसके अतिरिक्त गैलरी भ्रमण, फैंटेसी राइड, तारामंडल एवं त्रि-आयामी शो के माध्यम से शिक्षकों को अनुभवात्मक अधिगम का अवसर प्रदान किया गया। विशेष रूप से नॉलेज ऑन स्फीयर प्रणाली का प्रदर्शन किया गया।

बाइक चोरी मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

- 2019 के केस में वांछित पीओ कलालटी पुलिस चौकी टीम ने की कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

पबराड़ा। पुलिस गिरफ्त में आरोपी।

वर्ष 2019 में दर्ज मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 22 जुलाई 2019 को धारा 379 व 411 भारतीय दंड संहिता के तहत बस स्टैंड कालपी से मोटरसाइकिल चोरी के संबंध में मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में आरोपी रॉकी वासी गांव बधौली को अदालत द्वारा पहले ही पीओ घोषित किया जा चुका था। पुलिस चौकी कलालटी प्रभारी उपनिरीक्षक विश्वबंधू के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को 2 मई 2026 को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए। उसके खिलाफ कई थानों में चोरी व स्नेचिंग के मामले दर्ज हैं।

खबर संक्षेप

गुरु गोरखनाथ के प्रकट दिवस पर की पूजा-अर्चना

रादौर। जाहरवीर गोगा माड़ी नाचरौन में गुरू गोरखनाथ जी का प्रकट दिवस मनाया गया। ग्रामीणों ने गोगा माड़ी में पूजा अर्चना कर सभी की सुख शांति के लिए मन्नतें मांगी। इस दौरान ग्रामीणों ने गुरू गोरखनाथ जी को प्रसाद अर्पण कर प्रसाद वितरित किया। सैंकड़ों राहगीरों ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर सेवादार धूम सिंह राणा, राजबीर राणा, राकेश राणा, घनश्याम दास राणा आदि ने बताया कि जाहरवीर गोगा माड़ी को लेकर क्षेत्र के लोगों में भारी आस्था है। ग्रामीण हर मौके पर एकत्रित होकर गोगा माड़ी पर कार्यक्रम में तन मन व धन से पूरा सहयोग करते हैं। गुरू गोरखनाथ ने नाथ पंथ की स्थापना की थी। गुरू गोरख नाथ जी के सबसे पहले दर्शन करने का प्रावधान है।

छह केंद्रों पर आज 1736 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

यमुनानगर। रविवार को आयोजित की जा रही नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट.यूजी) की लिखित परीक्षा नकल रहित व पारदर्शी तरीके से आयोजित करवाने के दृष्टिगत लघु सचिवालय में सेंटर सुपरिटेंडेंट, सुपरवाइजर,ड्यूटी मजिस्ट्रेट व पुलिस विभाग के अधिकारियों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। उपायुक्त प्रीति ने बैठक में संबंधित अधिकारियों को परीक्षा नकल रहित व पारदर्शी करवाने के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि तीन मई यानी रविवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी नीट (यूजी)परीक्षा 2026 दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित होगी।

नगर निगम आयुक्त की चेतावनी, ईमानदारी से दायित्व निभाएं

जनगणना ड्यूटी से गैरहाजिर व लापरवाह कर्मियों पर दर्ज होगी एफआईआर : प्रसाद

1 मई से जिले में मकानों के सूचीकरण और जनगणना का शुरू हो चुका है कार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

ट्विन सिटी में प्रस्तावित जनगणना कार्य को लेकर नगर निगम ने सख्त रुख अपनाया है। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद कहा कि जनगणना ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अनुपस्थित व ड्यूटी में लापरवाही करने वाले पर एफआईआर तक दर्ज कराई जाएगी।

यमुनानगर। नगर निगम कार्यालय में जनगणना का कार्य करते कर्मचारी। **फोटो : हरिभूमि**

उक्त चेतावनी शनिवार को नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने निगम कर्मचारियों को सचेत करते हुए दी है। नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने बताया कि गत 1 मई से जिले में मकानों के सूचीकरण और जनगणना का कार्य शुरू हो गया है। यह कार्य 30 मई तक जारी रहेगा। इस दौरान सभी प्रगणकों को तय समय सीमा के भीतर पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से कार्य करना होगा। नगर निगम कार्यालयों में भी स्व गणना का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है। बल्कि शहर और देश के विकास की आधारशिला है। नगर निगम आयुक्त ने कहा कि हाउस लिस्टिंग और जनगणना का कार्य किया जा रहा है। जिसके तहत कर्मचारी घर घर जाकर डाटा एकत्रित कर रहे हैं। नागरिक अपने घर और परिवार की सही और सटीक जानकारी दें। नागरिकों द्वारा दी गई सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

नहीं चलेगी बहानेबाजी

निगमायुक्त महाबीर प्रसाद ने कहा कि संज्ञान में आया है कि कुछ कर्मचारी जनगणना ड्यूटी से बचने के लिए बहाने बना रहे हैं। मगर जनगणना कार्य में किसी भी कर्मचारी और अधिकारी की बहानेबाजी नहीं चलेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। हमारी जनगणना, हमारा विकास के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सभी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

नागरिक करें सहयोग

नगर निगम आयुक्त महाबीर प्रसाद ने जनगणना कार्य में आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील की है। उन्होंने व क्षेत्रीय कराधान अधिकारी अजय वालिया ने आमजन से अपील की है कि जब प्रगणक उनके घर पहुंचें तो उन्हें सही और पूरी जानकारी दी जाए। इससे न केवल आंकड़ों की सटीकता सुनिश्चित होगी। बल्कि सरकारी योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी मदद मिलेगी।

आकर्षक मॉडल बनाकर बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रादौर। एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर में शनिवार को फोर्थ क्लब के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य बच्चों को भारत के राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में जागरूक करना और उनकी रचनात्मकता को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने आर्ट एंड क्राफ्ट के माध्यम से भारत के विभिन्न राष्ट्रीय प्रतीकों के सुंदर और आकर्षक मॉडल एवं डिजाइन तैयार किए। बच्चों ने न केवल इन प्रतीकों को रंग-बिरंगे तरीकों से प्रस्तुत किया, बल्कि उनके महत्व के बारे में भी विस्तार से बताया। इसी क्रम में कक्षा चौथी के छात्र अभिजीत ने इंडिया गेट का एक अत्यंत आकर्षक मॉडल तैयार किया, जो छोटे-छोटे रंगों से सुंदर तरीके से बनाया गया था। उसने अपने प्रोजेक्ट के माध्यम से इंडिया गेट के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की, जैसे कि इसका निर्माण कब हुआ, इसे किन वीर सैनिकों की याद में बनाया गया तथा यह नई दिल्ली में स्थित है। उसकी प्रस्तुति सभी के लिए ज्ञानवर्धक और सराहनीय रही। विद्यालय की प्रिंसीपल अंजु गुलाटी ने विद्यार्थियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ा है ऐतिहासिक अशोक एडिक्ट पार्क

- श्रीलंका की उच्चायुक्त महिषिणी कोलोन ने किया पौधरोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

श्रीलंका की भारत में उच्चायुक्त महिषिणी कोलोन ने बौद्ध भिक्षुओं के साथ रादौर क्षेत्र के गांव टोपरा स्थित ऐतिहासिक अशोक एडिक्ट पार्क का दौरा किया। मौके पर श्रीलकां की उच्चायुक्त महिषिणी ने पार्क में पौधारोपण किया। मौके पर रादौर के एसडीएम रादौर नरेंद्र सिंह, गांव टोपरा के सरपंच बलराम सैनी, पूर्व सरपंच मनीष नेहरा व पूर्व सरपंच सुरेश पंजेटा व अन्य ग्रामीणों ने श्रीलंका की उच्चायुक्त महिषिणी कोलोन को बुके भेंटकर स्वागत किया। श्रीलंका की उच्चायुक्त ने धर्म चक्र (अशोका चक्र) पर दीप प्रज्जवलित कर महात्मा बुद्ध को श्रद्धांजलि भेंट की। महिषिणी कोलोन ने कहा कि जब मुझे अशोक एडिक्ट पार्क में आने का निमंत्रण मिला तो मैं उत्सुक भी थी और उत्साहित भी। क्योंकि यह भारत का वह भाग है जो भगवान बुद्ध के जीवन से जुड़ा है। लेकिन मैं पहले यहां नहीं आई थी। मैं पहले भगवान बुद्ध से जुड़े स्थलों लुंबिनी, बोधगया, वाराणसी, कुशीनगर, सारनाथ का दर्शन कर चुकी हूं। इस अवसर पर सिद्धार्थ गौरी, सरपंच टोपरा बलराम सैनी, रामरतन नेहरा, सुरेश पंजेटा, मुनीष नेहरा, संदीप टोपरा आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। गांव टोपरा स्थित ऐतिहासिक अशोक एडिक्ट पार्क में पौधरोपण करतीं श्रीलकां की उच्चायुकत महिषिणी कोलोन व अन्य। **फोटो : हरिभूमि**

नगर पालिका के सफाई कर्मचारियों ने दूसरे दिन भी जारी रखी हड़ताल

- धरना-प्रदर्शन कर मांगें जल्द पूरी करने की उठाई आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की प्रदेश कार्यकारिणी के आह्वान पर नगर निगम के सफाई कर्मचारियों ने शनिवार को दूसरे दिन भी हड़ताल रखी। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने निगम कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन कर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेताया कि यदि उनकी जल्द मांगे पूरी नहीं की गई तो वह बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे।

नगर पालिका कर्मचारी संघ इकाई के प्रधान पपला व उप प्रधान सन्नी के नेतृत्व में निगम के सैंकड़ो सफाई कर्मचारी निगम कार्यालय के समक्ष एकत्र हो गए और धरना प्रदर्शन करने लगे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इकाई प्रधान पपला, उप प्रधान सन्नी व सचिव सुभाष ने कहा कि वह अपनी मांगो को लेकर पिछले लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। मगर उनकी मांगे पूरी नहीं की जा रही हैं। उन्होंने सरकार से 31 दिसंबर 2025 के कोर्ट के आदेश अनुसार कच्चे कर्मचारियों को पक्का किए जाने, ठेकेदारी प्रथा को समाप्त किए जाने, ठेके पर लगे कर्मचारियों को पेरोल पर किए जाने, सफाई कर्मचारियों का न्यूनतम वेत 30 हजार रुपये किए जाने व कच्चे कर्मचारियों को सेवानिवृति पर पांच लाख रुपये देने समेत अन्य मांगे जल्द पूरी करने की मांग की। इकाई प्रधान पपला ने कहा कि यदि मांगे जल्द नहीं पूरी की गई तो वे बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। जिसकी जिम्मेवारी सरकार की होगी। मौके पर उप प्रधान जनक राज, उप प्रधान रमन वैद्य, सहसचिव संजीत तिगरा, कार्यालय सचिव सोरन, श्यामलाल, संजय गहलोत, कन्हैया, संजय डूलगच व सुरेश शादीपुर आदि मौजूद रहे।

यमुनानगर। निगम कार्यालय में हड़ताल के दौरान धरना-प्रदर्शन करते निगम के सफाई कर्मचारी। **फोटो : हरिभूमि**

आध्यात्म ही बच्चों में संस्कार की जड़ करेगा मजबूत : भारती

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के तत्वावधान में जगाधरी में हो रही श्रीमद्भागवत कथा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान द्वारा जगाधरी में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा के पांचवे दिन शनिवार को कथाव्यास एवं साध्वी कालिंदी भारती ने श्रद्धालुओं को भागवत कथा के महात्म का महत्व समझाया। इस दौरान भजनों के माध्यम से कथाव्यास ने प्रभु का गुणगान किया। पांचवे दिन कथा का शुभारंभ मुख्य यजमान शोभित गुप्ता, वर्तिका गुप्ता, राजीव ढींगरा, अल्का ढींगरा, रूपेश विज, मोनिका विज, राजन और जैसमीन द्वारा सामूहिक रूप से पूजन करके किया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रुप में साढ़ौरा की विधायक रेणू बाला, यमुनानगर के विधायक घनश्याम दास अरोड़ा आदि ने भाग लिया।

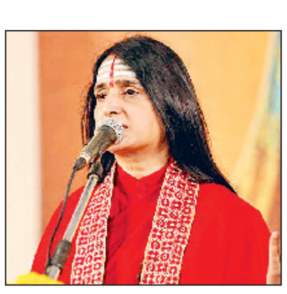

यमुनानगर। जगाधरी में श्रीमद्भागवत कथा में प्रभु का गुणगान करतीं साध्वी कालिंदी भारती व भजनों पर झूमते श्रद्धालु।

कथाव्यास एवं साध्वी सालिंदी भारती ने भागवत के माहात्म के अंतर्गत आत्मदेव की अभिलाषा और धुंधुकारी की उद्दंडता का वर्णन किया। उन्होंने फरमाया कि यह केवल पौराणिक कथा नहीं है। बल्कि आधुनिक समाज के लिए कालातीत दर्पण है। यह गाथा वर्तमान समाज को चेतावनी दे रही है कि यदि संतति के सृजन में संस्कारों के बीज नहीं बोए गए तो कुल वृक्ष का पतन सुनिश्चित है। संतान केवल कुल का विस्तार नहीं है। बल्कि संस्कारों का संवाहक होनी चाहिए। आज आवश्यकता है कि हम भावी पीढ़ी को पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से बचाकर उनमें अध्यात्म के बीज आरोपित करें। वर्तमान समाज एक अत्यंत संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। जहां एक ओर हम तकनीकी रूप से शिखर छू रहे हैं। वहीं दूसरी ओर हमारी भावी पीढ़ी संस्कार शून्य की गहरी खाई में गिरती जा रही है। आज के बच्चे शिक्षित तो हैं। लेकिन उनमें बोध की कमी है। वे इंटरनेट से सूचनाएं तो जुटा रहे हैं। लेकिन धैर्य खोते जा रहे हैं। बच्चों में बढ़ती उद्दंडता और नैतिक मूल्यों का ह्रास हर अभिभावक के लिए एक गंभीर प्रश्न है। आखिर कैसे करें बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण। कथाव्यास साध्वी कालिंदी भारती ने फरमाया कि इसका एक मात्र उपाय आध्यात्म है। आध्यात्म बच्चों को अपने भीतर देखना सिखाता है। जब वह ध्यान करता है तो उसमें आत्मनियंत्रण पैदा होता है जो उसे गलत करने से रोकता है। गलत रास्ते पर जाने से रोकता है।

संत रविदास के विचार समाज के लिए सदा मार्ग दर्शक बने रहेंगे

- जरूरतमंद परिवारों के छह कन्याओं का हुआ सामूहिक विवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

गांव ढ़लौर में बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्ष में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी का सत्संग एवं जरुरतमंद परिवार की छह कन्याओं के सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्यातिथि के रूप में जिले के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं बसपा के पूर्व प्रदेश महासचिव डॉ. निर्मल सिंह ने भाग लिया। उन्होंने मौके पर नवदंपत्तियों को आर्शीवाद दिया और उनके सफल और सुखी जीवन की मंगलकामना की।

यमुनानगर। ढलौर में सामूहिक विवाह समारोह में आशीर्वाद देते मुख्यातिथि।

सामूहिक विवाह समारोह में सबसे पहले आयोजकों व ग्रामीणों द्वारा वर व वधुओं के परिवारों की ओर से पहुंचे अतिथियों का स्वागत किया गया और उन्हें जलपान करवाया गया। इसके बाद पंडितों द्वारा विधिवत मंत्रोचारण कर सभी जोड़ों के फेरे आदि करवाकर विवाह की रस्म संपन्न करवाई गई। मौके पर सभी कन्याओं को दहेज का सामान देकर विदा किया गया। मौके पर सत्संग व सामूहिक विवाह समारोह के आयोजकों द्वारा मुख्यातिथि डॉ. निर्मल सिंह को सिरोपा भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एवं डॉ. निर्मल सिंह की धर्मपत्नी डॉ. अनु बनीवाल भी मौजूद रही।

यमुनानगर। पॉलिटेक्निक दामला में प्रदर्शनी का निरीक्षण करते स्टाफ सदस्य।

विद्यार्थियों ने दिखाई अपनी तकनीकी दक्षता

रादौर। पॉलिटेक्निक दामला में विद्यार्थियों द्वारा तैयार किए गए नवाचारी एवं व्यावहारिक प्रोजेक्ट्स की प्रोजेक्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसमें विद्यार्थियों को तकनीकी दक्षता, रचनात्मकता व समस्या समाधान क्षमता प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया गया। प्रदर्शनी में स्मार्ट गृह स्वचालन प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित उपस्थिति प्रणाली, रेखा का अनुसरण करने वाला रोबोट, सौर ऊर्जा संचालित जल पंप, स्वचालित सड़क प्रकाश व्यवस्था, स्मार्ट सिंचाई प्रणाली, यातायात प्रबंधन प्रणाली, कम लागत वाला जल शुद्धिकरण मॉडल जैसे प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गए, जो आधुनिक तकनीक व सतत विकास की समझ को दशार्ते हैं। विद्युत अभियांत्रिकी विभाग में पीएलसी प्रशिक्षक किट, एंटी स्लीप अलार्म व सौर प्रयोगशाला मॉडल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग में यांत्रिक रोबोटिक भुजा, आरएफआईडी आधारित उपस्थिति प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता सक्षम स्मार्ट कार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। कंप्यूटर अभियांत्रिकी विभाग में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित स्टिच-फ्लो प्रणाली ने प्रथम, महाविद्यालय प्रबंधन प्रणाली ने द्वितीय, जबकि महाविद्यालय प्लेसमेंट प्रणाली और कालेसर मार्केटप्लेस (ऑनलाइन खरीद मंच) ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्राचार्य अनिल कुमार ने विद्यार्थियों एवं संकाय सदस्यों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनियां सिद्धांत और व्यवहारिक ज्ञान के बीच की दूरी को कम करती हैं तथा विद्यार्थियों में नवाचार, तकनीकी दक्षता व आत्मविश्वास का विकास करती हैं।

नशा मुक्ति बैठक में अधिकारियों को बताया लक्ष्य, दिए आवश्यक निर्देश

नशे से जंग को बनेगा मंथली प्लान, फिर एक्शन : उपायुक्त

नशे के लिए उपयोग होने वाली दवा बेचने वाले मेडिकल स्टोर संचालकों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

जिला सचिवालय के सभागार में नशा संबंधित एनकॉर्ड बैठक का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त प्रीति ने की। इस दौरान उन्होंने सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि हमारा लक्ष्य जिला को नशा मुक्त करना है। हरियाणा सरकार द्वारा पूरे प्रदेश में यह मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत पुलिस प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, ड्रग्स विभाग, शिक्षा विभाग, खेल विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी एक महीने का एक्शन प्लान तैयार कर समुचित कार्रवाई करें। पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने कहा कि यह बैठक प्रति माह के प्रथम सप्ताह में होगी। संबंधित विभाग इसे गंभीरता से लें, क्योंकि इसकी राज्य स्तर पर समीक्षा भी की जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि ओएसटी उपचार इस सुविधा का मुख्य उद्देश्य नशे के आदी व्यक्तियों को वैज्ञानिक एवं चिकित्सकीय तरीके से नशा मुक्त करना है। ओएटीएफ/ओएसटी में मरीजों को दवाइयों के माध्यम से उपचार दिया जाता है, जिससे धीरे-धीरे उनकी नशे पर निर्भरता कम होती है। ओएसटी पर फोकस रखना है जिससे नशे के आदी लोगों की आदत को छुड़ाया जा सके। इसके लिए स्थानीय पार्षद, सरपंच और जन प्रतिनिधि इसमें मदद करें। उन्होंने कहा कि परिवार के सदस्य भी नशे के आदी को नशे से मुक्ति दिलाने में सहयोग करें। नए व्यक्ति ड्रग्स की ओर न जाएं इसके लिए उपाय किए जाएं।

डीसी ने कहा कि जिन मेडिकल स्टोरों पर अवैध रूप से नशे की दवा मिलती हैं, उन मेडिकल स्टोर के संचालकों पर कार्यवाही की जाए। बिना डॉक्टर की सलाह के कोई भी मेडिकल स्टोर नशे की दवाई न दे। उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा कि नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ें। योग व खेलों से शारीरिक विकास के साथ-साथ मानसिक रूप से भी व्यक्ति का विकास होता है। शरीर को स्वस्थ रखने में योग व खेल उत्कृष्ट कार्य करते हैं। उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्कूल व कॉलेज में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया जाए ताकि वह हर प्रकार के नशे से दूर रहें। विद्यार्थियों को बताया जाए कि नशा उनको तबाही की तरफ लेकर जाता है। जबकि युवाओं को अपने उज्ज्वल भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। मौके पर नगराधीश पीयूष गुप्ता, व्यासपुर के एसडीएम जसपाल सिंह गिल, छछरौली के एसडीएम रोहित कुमार, रादौर के एसडीएम नरेंद्र कुमार समेत कई अन्य अधिकारी मौजूद थे।

यमुनानगर। जिला सचिवालय में अधिकारियों की बैठक लेतीं उपायुक्त। **फोटो : हरिभूमि**

शिवमहापुराण कथा में सुनाई महामृत्युंजय मंत्र महिमा

कुरुक्षेत्र। अमीन रोड स्थित पटियाला बैंक कॉलोनी के मनोकामना सिद्ध श्री शिव मंदिर के वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में करवाई जा रही श्री शिव महापुराण कथा शनिवार को हवन और भंडारे के साथ सम्पन्न हुई। समापन दिवस पर कथाव्यास आचार्य रमेश उनियाल हरिद्वार ने महामृत्युंजय मंत्र की महिमा के साथ-साथ ऋषि मार्कण्डेय की उप कथा और शिवमहापुराण की शिक्षाएं विस्तार से सुनाई। इस अवसर पर पूर्वांचल समाज महासभा हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष संतोष पासवान, श्रीवैश्य अग्रवाल पंचायत कुरुक्षेत्र के प्रधान विशाल सिंगला,समाजसेवी श्याम जुनेजा और विवेक भारद्वाज डब्बू ने शिव पूजन किया। पुजारी पंडित उमेश पाठक ने सभी यजमानों,सहयोगियों और अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। व्यासपीठ से आचार्य रमेश उनियाल ने महामृत्युंजय मंत्र की महिमा में बताया कि यह भगवान शिव का अत्यंत शक्तिशाली मंत्र है, जो मृत्यु के भय,अकाल मृत्यु, और असाध्य रोगों से रक्षा करता है। यह मंत्र स्वास्थ्य, दीघार्यु, और आध्यात्मिक उन्नति के लिए लाभकारी माना जाता है। नियमित जाप से मानसिक शांति,नकारात्मकता का नाश, और शिव कृपा प्राप्त होती है। इस अवसर पर गायक सीताराम कश्यप ने भगवान शिव के मधुर भजन सुनाए।

29 खरीद केंद्रों पर 5.15 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

उठान कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर होगी कार्रवाई : एडीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि कुरुक्षेत्र के खरीद केन्द्रों व मंडियों में गेहूं की खरीद का कार्य खाद्य आपूर्ति, हैफेड तथा हरियाणा वेयर हाउस एजेंसी द्वारा शुरू कर दिया गया है। इन तीनों एजेंसियों ने 1 मई को देर सायं तक 515704 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद का कार्य पूरा कर लिया है। इस सीजन में गेहूं का 2585 रुपए प्रति क्विंटल न्यूनतम समर्थन मूल्य दिया जा रहा है। अहम पहलू यह है कि जिले में 441124 एमटी गेहूं का उठान कार्य पूरा किया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि कुरुक्षेत्र में गेहूं की खरीद करने के लिए 29 खरीद केन्द्र व मंडिया स्थापित की गई है।

किसानों के लिए पुख्ता सुविधाओं का प्रबंध

इन मंडियों से खाद्य आपूर्ति, हैफेड, एफसीआई और हरियाणा वेयर हाउस कापोरेशन की तरफ गेहूं की खरीद का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खाद्य आपूर्ति विभाग की रिपोर्ट के अनुसार इस सीजन में खाद्य आपूर्ति एजेंसी द्वारा अमीन में 2590 एमटी, बाबैन मंडी में 25660 एमटी, भौर सैंयदा में 4072 एमटी, गुमथला गढु में 21709 एमटी, इशाक में 4251 एमटी, इस्माइलाबाद मंडी में 46553 एमटी, झांसा मंडी में 10265 एमटी, कराह साहब में 9270 एमटी, थानेसर मंडी में 52311 एमटी, लाडवा मंडी से 58221 एमटी, नलवी में 920 एमटी, नीमवाला में 4864 एमटी पिपली मंडी से 14732 एमटी, शाहबाद से 25300 एमटी गेहूं, थाना में 3194 एमटी गेहूं, ठोल मंडी से 15003 एमटी गेहूं खरीद गया है। इसी तरह हरियाणा वेयर हाउस द्वारा बारना में 3075 एमटी, बोधनी में 2722 एमटी, ठोल में 6253 एमटी गेहूं खरीद कार्य को पूरा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस सीजन में अधिकारियों को विशेष हिदायत दी गई है कि उठान कार्य पर विशेष फोकस रखा जाए ताकि व्यापारियों और किसानों को किसी प्रकार की कोई दिक्कत ना आए। उन्होंने कहा कि मंडी परिसर में किसानों की सुविधा के लिए पर्याप्त बिजली, पानी, सफाई व्यवस्था व अन्य मूलभूत सुविधाओं का ध्यान रखने के आदेश सम्बंधित अधिकारियों को दिए है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा किसानों की फसल का एक-एक दाना खरीदने के लिए व्यवस्था और प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं।

किसानों के खातों में 1100 करोड़ रुपये जारी

अतिरिक्त उपायुक्त विवेक आर्य ने कहा कि जिले के किसानों के खातों में गेहूं खरीद के 1100 करोड़ 13 लाख 96 हजार 842 रुपए 1 मई तक भेजे जा चुके हैं। सरकार के निदेर्शानुसार उठान के 48 घंटे में किसानों के खाते में पेमेंट भेजी जा रही है। उठान के अनुसार 96 प्रतिशत गेहूं का पैसा किसानों के खाते में पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि जिले की अनाज मंडियों में फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग, हैफेड व हरियाणा वेयरहाउस द्वारा खरीद की जा रही है। अब तक जिले में 515704 एमटी गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें से 441124 एमटी गेहूं की लिफ्ट हो चुकी है। लिफ्ट के साथ-साथ किसानों के खातों में गेहूं खरीद का पैसा 1100 करोड़ 13 लाख 96 हजार 842 रुपए भेजा जा रहा है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फूड सप्लाई एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 349841 एमटी गेहूं की खरीद की गई है, इसमें से 294302 एमटी गेहूं की लिफ्ट की जा चुकी है और 724 करोड़ 72 लाख, 29 हजार 982 रुपए किसानों को भेजे जा चुके हैं।

खबर संक्षेप

योग साधकों ने किया योगाभ्यास

कुरुक्षेत्र। भारतीय योग संस्थान पंजीकृत के दिल्ली प्रांत 2 से 88 योग साधक साधिकाओं ने अपने प्रांतीय प्रधान योगेश शर्मा, प्रांतीय मंत्री विनोद शर्मा, टूर इंचार्ज अभिषेक कुमार तथा अपने सभी जिला प्रधानों व उच्च अधिकारियों के नेतृत्व में कुरुक्षेत्र भ्रमण के लिए संस्थान के योगाश्रम मिजार्पुर में प्रवास किया। अपने तीन दिन के प्रवास के दौरान उन्होंने संस्थान की हरियाणा प्रांत इकाई के संगठन मंत्री गुलशन कुमार ग्रोवर के निर्देशन में कुरुक्षेत्र के विभिन्न दर्शनीय स्थलों का धार्मिक महत्व समझते हुए उनका श्रद्धापूर्वक अवलोकन किया।

भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का किया वर्णन

कुरुक्षेत्र। शास्त्री नगर सेवा समिति द्वारा हरिओम मंदिर शास्त्री नगर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में कथा व्यास पंडित अरूण मिश्रा ने भगवान कृष्ण के जन्म एवं लीलाओं की कथा सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। पंडित अरूण मिश्रा ने कहा कि परमात्मा ही परम सत्य है। कथा व्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के घरों से माखन चोरी की। इस घटना के पीछे भी आध्यात्मिक रहस्य है।

कला उत्सव में दूसरे दिन कलाकारों ने रचनात्मक कला को किया प्रदर्शित

राष्ट्रीय प्रतिभाओं को एक साथ लाने का मंच है कला उत्सव: प्रो. सोमनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा है कि सशक्त राष्ट्र निर्माण में सशक्त नारी का महत्वपूर्ण योगदान है। वर्तमान में ज्ञान, विज्ञान, खेल, कला एवं संस्कृति सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाएं उल्लेखनीय योगदान देकर देश को सशक्त बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने यह विचार शनिवार को युवा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम विभाग व ललित कला विभाग के सहयोग से आयोजित कला उत्सव - सशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कला उत्सव के दूसरे दिन बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कलाकारों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने समाज में महिलाओं की ताकत और योगदान के बारे में शक्तिशाली संदेश देने के लिए कलाकारों की सराहना की।

महिला सशक्तीकरण का सशक्त मंच

कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक समावेशिता और सशक्तीकरण को बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय प्रतिभाओं को एक साथ लाने में कला उत्सव ने एक जीवंत मंच के रूप में कार्य किया है। इस कार्यशाला में पूरे भारत से दस प्रमुख कलाकारों ने हिस्सा लिया, जिनमें से 60 महिला कलाकार थीं, जो लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। कार्यशाला के क्यूरेटर डॉ. गुरचरण सिंह ने कहा, कला उत्सव प्राचीन परंपराओं को आधुनिक रचनात्मकता के साथ जोड़ता है, जो युवाओं को कला के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक पहचान व्यक्त करने के लिए सशक्त बनाता है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि हमारे देश की महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं हैं और राष्ट्र के हर कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि इस आयोजन के दौरान साझा किया गया ज्ञान और रचनात्मक तालमेल छात्रों के शैक्षणिक व व्यावसायिक विकास पर एक स्थायी प्रभाव डालेगा। कार्यशाला के दूसरे दिन कलाकारों ने विभिन्न तकनीकों और वैचारिक अभिव्यक्तियों को दशार्ते हुए गतिशील, व्यावहारिक प्रदर्शन करते हुए कलाकृतियों का निर्माण किया। इस अवसर पर प्रो. परमेश कुमार, लोक सम्पर्क विभाग के निदेशक प्रो. महासिंह पूनिया, कुटा प्रधान डॉ. जितेन्द्र खटकड़, डॉ. पवन कुमार, डॉ. मोनिका, डॉ. राकेश बानी, डॉ. हरविन्द्र सिंह लोंगोवाल, डॉ. सुशील कुमार सहित प्रतिभागी कलाकार मौजूद थे।

जलरंग तकनीकों पर किया लाइव प्रदर्शन

कला उत्सव में विभिन्न राज्यों से आए कलाकारों ने अपनी कला से सभी का मन मोह लिया। कलाकार विनय शर्मा ने जलरंग (वॉटरकलर) तकनीकों पर एक आकर्षक लाइव प्रदर्शन किया, जिससे छात्रों को इस माध्यम के प्रवाह और नियंत्रण के बारे में व्यावहारिक जानकारी मिली। इसके साथ ही, कलाकार अंजनी रेड्डी ने प्राकृतिक दुनिया की सुंदरता को उजागर करने के लिए प्रकृति की गोद में विषय पर अपनी सौंदर्य दृष्टि को कैनवास पर उतारा। कलाकार रितु ने प्रभावशाली पर्यावरण विषय पर एक शानदार पेंटिंग बनाई, जिसमें कला और पारिस्थितिक जागरूकता के बीच के महत्वपूर्ण संबंध पर जोर दिया गया। इसके अलावा, कलाकार गौरी शंकर सोनी ने आसपास के तत्वों को मानव संपर्क और ऐतिहासिक सांस्कृतिक परिवर्तनों से जोड़ने वाला एक विचारोत्पादक प्रदर्शन प्रस्तुत किया, जबकि कलाकार के.के. गांधी ने एक राजसी पहाड़ी घाटी और एक गहरे, शांत बौद्ध मठ की अवधारणा को दशार्ती अपनी गहन पेंटिंग से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

5 को होने वाली प्रदर्शनी से सीएम करेंगे शिरकत

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में 5 मई को सशक्त नारी सशक्त समाज सशक्त राष्ट्र विषय पर संगोष्ठी और प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में देश, प्रदेश और कुरुक्षेत्र की उन महिलाओं की उपलब्धियों को दशार्या जाएगा, जिन्होंने देश व समाज के लिए सराहनीय कार्य और उपलब्धियां हासिल की हैं। अहम पहलू यह है कि इस संगोष्ठी और प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। वीसी प्रो. सोमनाथ सचदेवा कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुलपति कार्यालय के कांफ्रेंस हॉल में आयोजित अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सूचना जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग ने 5 मई को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के सभागार में सशक्त नारी, सशक्त समाज, सशक्त राष्ट्र विश्व पर आयोजित होने वाली संगोष्ठी और प्रदर्शनी में किए जा रहे प्रबंधों की समीक्षा की और फीडबैक रिपोर्ट ली है। महानिदेशक केएम पांडुरंग ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ तमाम पुख्ता प्रबंध किए जाएं और समय रहते सभी तैयारियों को पूरा किया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए उन्होंने अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

दमकल कर्मियों की हड़ताल 25वें दिन भी रही जारी

इनेलो के कार्यकर्ताओं ने दिया समर्थन

कुरुक्षेत्र। प्रदेश के अग्निशमन विभाग के नियमित व अनियमित दमकल कर्मचारियों की 8 अप्रैल से चल रही सफल ऐतिहासिक राज्यव्यापी हड़ताल को 25 वें दिन में प्रवेश कर गई। 25 वें दिन सफल हड़ताल की अध्यक्षता प्रधान नरिंदर ने की। जिला प्रधान सचिन ने बताया 103 दमकल केन्द्रों के फायर कर्मचारियों अपनी मांगों का समाधान एवं आगजनी में मारे गए फायर कर्मियों को न्याय दिलाने की मांग कर चुके हैं। कुरुक्षेत्र फायर कर्मचारी की मांगों को इनेलो के कार्यकर्ताओं ने समर्थन दिया। धरने की अध्यक्षता प्रधान विशाल कुमार व संचालन राकेश कुमार ने किया। कर्मचारियों ने हरियाणा सरकार की तानाशाही के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जिला प्रधान सचिन कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि जब तक सरकार हमारी बात नहीं मानती तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इनेलो के हलका थानेसर के अध्यक्ष कृष्ण बूरा किरमच ने कहा कि सरकार हठधर्मिता पर अड़ी हुई है। सरकार को कर्मचारियो की बातें मान लेनी चाहिए।

योग व आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाकर जीवन शैली को बनाया जा रहा है स्वस्थ : डा. मंजू शर्मा

कुरुक्षेत्र। आयुष मंत्रालय, भारत सरकार एवं महानिदेशक आयुष हरियाणा के निदेशार्नुसार तथा जिला आयुर्वेदिक अधिकारी, कुरुक्षेत्र डॉ मंजू शर्मा के मार्गदर्शन में 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में जिले के विभिन्न स्थानों पर योग एवं स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया गया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डा. मंजू शर्मा ने कहा कि शिविरों एवं योग सत्रों का मुख्य उद्देश्य आमजन में योग एवं आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना रहा। गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल धुराला में डॉ. तनवी द्वारा आयुर्वेद संबंधी जानकारी दी गई तथा योग सहायक रजत द्वारा योग प्रोटोकॉल करवाया गया। आंगनवाड़ी यारा में डॉ. संदीप द्वारा दिनचर्या एवं ऋतुचर्या के बारे में बताया गया, फार्मासिस्ट नेहा द्वारा दवाइयां वितरित की गईं तथा दीपक द्वारा योगाभ्यास करवाया गया।

रंगारंग प्रस्तुतियों से सजा मंच, प्रतिभा प्रदर्शन-2026 में छात्रों ने बिखेरा हुनर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हर इंसान अपने आप में एक अनोखी कृति है; अपनी प्रतिभा को विकसित करना ही उस कृति को पूर्णता देना है। विद्यालय केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि वह सृजन-स्थली है जहाँ नन्हीं प्रतिभाएँ आकार लेती हैं, निखरती हैं और आत्मविश्वास के साथ संसार के सामने अपनी पहचान बनाती हैं। इसी भाव को साकार करते हुए माधव विशाल कक्ष में प्रतिभा प्रदर्शन-2026 का भव्य आयोजन किया गया, जिसने प्रतिभा, रचनात्मकता और उत्साह का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया। इस गरिमामय अवसर पर दिवसीय विद्यालय के छठी से दसवीं के विद्यार्थियों ने लगभग 65 विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी बहुआयामी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे विद्यार्थियों ने अपनी ऊर्जा, लय और कला से मंच को जीवंत कर दिया तथा उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश स्तुति की प्रभावशाली प्रस्तुति से हुआ, जिसने वातावरण में भक्ति का संचार कर दिया। इसके पश्चात हमारी संस्कृति, श्रीराम और पृथ्वी बचाओ जैसे विषयों पर प्रस्तुत काव्य-पाठ ने विद्यार्थियों की भाषाई दक्षता और भाव-अभिव्यक्ति को उजागर किया, जिससे दर्शक भाव-विभोर हो उठे। जहाँ हरियाणा, पंजाब और राजस्थान के लोकनृत्यों ने भारतीय संस्कृति की रंगीन झलक प्रस्तुत की, वहीं भजन, श्लोकोच्चारण और समूह गीतों ने पूरे वातावरण को आध्यात्मिकता और मधुरता से भर दिया। यह कार्यक्रम केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक विरासत का जीवंत उत्सव बन गया।

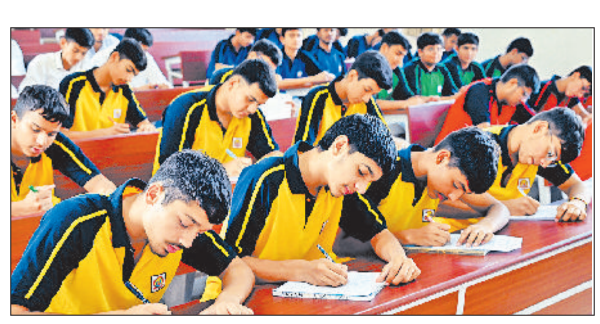

इंग्लिश राइटिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

कुरुक्षेत्र। गुरुकुल कुरुक्षेत्र के परिसर में रचनात्मकता और अभिव्यक्ति का जीवंत माहौल देखने को मिला, जब इंग्लिश राइटिंग प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और सहभागिता के साथ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की साहित्यिक प्रतिभा को निखारना और उन्हें अपनी लेखन क्षमता प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करना था। प्रतियोगिता में तीन प्रमुख श्रेणियाँ—निबंध लेखन, कहानी लेखन और कविता लेखन—शामिल थीं। सीनियर और जूनियर दोनों विंग के विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी रचनाओं के माध्यम से विभिन्न विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं को अभिव्यक्त किया। समकालीन विषयों पर लिखे गए विचारोत्तेजक निबंधों से लेकर कल्पनाशील कहानियों और भावपूर्ण कविताओं तक, इस आयोजन ने विद्यार्थियों की विविध प्रतिभाओं को उजागर किया। प्रतिभागियों ने अपनी मौलिकता, भाषा पर पकड़ और विचारों की गहराई से निर्णायकों को प्रभावित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन गतिविधि प्रभारी सुनील आहूजा ने किया, जिनका सहयोग पीजीटी इंग्लिश नवदीप मान ने किया। उनके मार्गदर्शन और समन्वय से प्रतियोगिता का आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हुआ।

नवीन जिन्दल फाउंडेशन व इंस्ट्रको की पहल से खैरी में प्रशिक्षण सत्र

छात्र-छात्राओं ने लिया उत्साहपूर्वक लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

नवीन जिन्दल फाउंडेशन एवं इंस्ट्रको के संयुक्त तत्वावधान में गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल, खैरी में एक प्रभावी प्रशिक्षण सत्र का सफल आयोजन किया गया। सांसद नवीन जिन्दल की इस पहल का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें दैनिक जीवन में उपयोगी व्यावहारिक कौशलों से सशक्त बनाना है। प्रशिक्षण सत्र के दौरान छात्रों ने पूरे उत्साह और सक्रिय भागीदारी के साथ कार्यक्रम का लाभ उठाया। इंस्ट्रको की प्रतिनिधि दीपमाला, नवीन जिन्दल फाउंडेशन की शिखा नेहरा तथा विद्यालय की प्रिंसिपल सुनीता रानी ने छात्राओं को शिष्टाचार एवं व्यवहार कौशल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। रोचक कहानियों और संवादात्मक शैली के माध्यम से उन्होंने विषय को सहज और प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया, जिससे छात्राओं ने न केवल विषय को समझा बल्कि उसे अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा भी प्राप्त की। सत्र के अंत में छात्रों से फीडबैक लेकर उनकी समझ और अनुभव का मूल्यांकन भी किया गया। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल की इस दूरदर्शी पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को समग्र रूप से सशक्त बनाना है, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें और बेहतर रोजगार अवसरों का लाभ उठा सकें।

178 मरीजों ने लिया स्वास्थ्य लाभ

कुरुक्षेत्र। सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालन किया जा रहा है। इसी क्रम में शनिवार को मोबाइल मेडिकल यूनिट द्वारा जिन्दल हाउस, कुरुक्षेत्र में जरूरतमंद मरीजों का फॉलो-अप किया गया और उन्हें आवश्यक चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं।

आज मोबाइल मेडिकल युनिट में 178 लोगों की सामान्य स्वास्थ्य जांच कर परामर्श दिया गया, साथ ही रक्त परीक्षण भी किए गए। जांच के उपरांत सभी मरीजों को आवश्यक दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। नवीन जिन्दल फाउंडेशन द्वारा चलाए जा रहे स्वस्थ कुरुक्षेत्र अभियान के तहत यह मोबाइल मेडिकल यूनिट नियमित रूप से कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही है। इस अभियान का उद्देश्य केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को संतुलित खान-पान, स्वच्छता और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के प्रति जागरूक करना भी है। इस संबंध में जानकारी देते हुए सांसद कार्यालय प्रभारी एवं पूर्व आईएएस अधिकारी धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का लक्ष्य है कि कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र का कोई भी नागरिक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित न रहे। मोबाइल मेडिकल यूनिट इसी संकल्प का हिस्सा है, जिसके माध्यम से गांव-गांव और जरूरतमंद लोगों तक चिकित्सा सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं।

कार्यक्रम विश्व हास्य दिवस पर मानवता भलाई के लिए लगाया रक्तदान शिविर

रक्तदान पुण्य का कार्य, स्वस्थ व्यक्ति करे रक्तदान : आशीष

कुरुक्षेत्र। शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

रक्तदान अति पुण्य का कार्य है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रक्तदान करना चाहिए। रक्तदान मानव सेवा के साथ साथ स्वयं के के लिए बहुत उपयोगी है। ये शब्द कुरुक्षेत्र नगराधीश आशीष कुमार ने रक्तदाताओं को बैज लगाते हुए कहे। वे आज लोकनायक जयप्रकाश अस्पताल के रक्त केंद्र में आयोजित 585 वें स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में मुख्यातिथि के रूप में पधारे हुए थे। सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के मंत्र को चरितार्थ करते हुए विश्व हास्य दिवस पर सभी के जीवन को निरोगी एवं स्वस्थ रखने के भाव से रक्त की आपूर्ति के लिए वर्षों से सेवारत राष्ट्रपति पुलिस पदक से विभूषित, राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, डायमंड रक्तदाता एवं पर्यावरण प्रहरी डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा यह शिविर आयोजित किया गया। शिविर में प्रयास फाउंडेशन कुरुक्षेत्र के प्रधान एवं रोटी बैंक के कोषाध्यक्ष नरेश सैनी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे जबकि स्टार रक्तदाता प्रशांत शर्मा ने शिविर की अध्यक्षता की। शिविर संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि नशे की और अग्रसर युवाओं को नशे की सुई नहीं अपितु रक्तदान की सुई लगाकर लोगों का जीवन बचाने का कार्य करना चाहिए ताकि मानवता का भला हो।

अतिथियों का किया सम्मान

कार्यक्रम में मुख्यातिथि और रक्तदाता संजीव बतान को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। शिविर में प्रशांत शर्मा, मनीष कुमार, सूरज भान, संजीव बतान, सूरज, विपिन, अमित कुमार, विकास, कपिल शर्मा, गुरदास सिंह, रामेश्वरपाल,मनदीप, हर्ष, संदीप, दविन्द्र कुमार, प्रिंस, प्रदीप कुमार, राजेश आदि ने रक्तदान कर पुण्य लाभ लिया। इस अवसर पर डॉ. दीक्षा, गुरजिंद्र कौर, सुमित कुमार, चंद्र शेखर आत्रेय, रोटी बैंक के महासचिव कर्म चंद, सचिव नरेश मेहता सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

पर्यावरण को बचाने के लिए युवा कर रहे वृक्षों की देखभाल

जींद। गांव बड़ौदी में युवा ग्रामीणों के जन्मदिन, सालगिराह महापुरुषों की जयंती व शादी जैसे विशेष मौकों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। युवा पवन फौजी, संजय फौजी, जसमेर फौजी, बलजीत फौजी, जसबीर ने कहा कि उन्होंने सार्वजनिक निस्वार्थ सेवा बड़ौदी के नाम से ग्रुप बना रखा है। जिसमें गांव के युवाओं को जोड़ा हुआ है। वे 2020 से गांव में पौधरोपण करते आ रहे हैं और उनकी देखभाल के लिए ट्री गार्ड भी लगाते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ बनने तक वह पौधों की देखभाल करते हैं।

एलपीजी की कीमतों में वृद्धि पर जताया रोष

जींद। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोत्तरी को लेकर रोष जताया है। कपूर सिंह ने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों और पांच किलो के गैस सिलेंडरों दोनों की कीमतों में सरकार द्वारा की गई भारी बढ़ोत्तरी की निंदा करते हैं। व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में लगभग एक हजार रुपये की अभूतपूर्व वृद्धि का व्यापक प्रभाव पडऩा तय है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान इस बोझ को उपभोक्ताओं पर डालने के लिए बाध्य हैं। जिससे उनका बोझ और महंगाई दोनों बढ़ेगी। कई छोटे प्रतिष्ठान बंद होने को मजबूर होंगे।

जैन गुरु सुदर्शन द्वार बनने पर मंत्री का जताया आभार

नरवाना। नगर परिषद की हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी द्वारा जैन समाज की मांग पर जैन संत गुरू सुदर्शन द्वार बनाने का प्रस्ताव पास किया। जिसको लेकर जैन समाज में इस बात को लेकर खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधान नरेश जैन, उपप्रधान संजय जैन, राजेश जैन, प्रवीण जैन, राहुल, शुभम, पुनीत, सज्जन, विमल, अक्षय, सतीश ने जैन समाज की तरफ से मंत्री कृष्ण बेदी का आभार जताया। जो इतने कम समय में यह द्वार बनाने की मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि मंत्री कृष्ण बेदी द्वारा अग्रसेन द्वार और धर्मशाला बनाने पर भी सभी ने खुशी व्यक्त की।

पंजाबी धर्मशाला में मुफ्त स्वास्थ्य जांच कैंप आज

जींद। नरवाना शहर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में पंजाबी भवन समिति द्वारा शाह अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर कैथल द्वारा मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन रविवार को पंजाबी धर्मशाला नई सब्जी मंडी के नजदीक आयोजित होगा। पंजाबी भवन के प्रेस प्रवक्ता रवि कथूरिया ने बताया कि इस कैंप में घुटने, कूल्हे, जोड़ रोग एवं जनरल सर्जरी से संबंधित मरीजों की निशुल्क जांच और परामर्श दिया जाएगा। साथ ही हड्डियों में कैल्शियम की जांच भी मुफ्त की जाएगी और जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी।

नपा कार्यालय गेट पर सफाई कर्मियों का धरना

उचाना। नगर पालिका इकाई राज्य कमेटी के आह्वान पर उचाना नगर पालिका सफाई कर्मियों ने शनिवार को पक्का करने की मांग को लेकर हड़ताल रखी। कर्मचारियों ने कहा कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों के हितों में कार्य नहीं कर रही है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगे पुरानी पेंशन बहाल करना, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, ठेकेदारी प्रथा बंद करना रही।

नगर निकाय चुनाव में अनुशासनहीनता पर राजनीतिक दलों का कड़ा रुख

भाजपा के 8 नेताओं पर गिरी गाज छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित

निष्कासित नेताओं में पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा के साथ दो बार निगम सदस्य रहे भी शामिल, एक नेता को पार्टी ने मनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

अंबाला। भाजयुमो के अध्यक्ष रहे संजय लाकड़ा पत्नी के लिए प्रचार करते हुए ।

अंबाला। आजाद प्रत्याशी के तौर पर नामांकन दाखिल करते दलजीत भाटिया।

नगर निकाय चुनाव में मतदान से पहले भारतीय जनता पार्टी ने अनुशासनहीनता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ने और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने के कारण 8 नेताओं को तत्काल प्रभाव से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया गया है। भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा ने यह आदेश जारी किए हैं। प्रदेश अध्यक्ष के निर्देश पर यह निर्णय लिया गया है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि अनुशासन सर्वोपरि है और पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चुनाव लड़ना गंभीर अनुशासनहीनता की श्रेणी में आता है। इन नेताओं पर गिरी गाज निष्कासित किए गए प्रमुख नामों में वार्ड संख्या 19 से संजय लाकड़ा (पूर्व जिला अध्यक्ष युवा मोर्चा) और वार्ड 3 से अमन शर्मा (मंडल प्रमुख) शामिल हैं। इनके अलावा वार्ड 3 से साहिल शर्मा, वार्ड नंबर 5 से रविंदर गुप्ता, वार्ड नंबर 15 से कृष्ण कुमार लठवाल और वार्ड नंबर 18 से प्रेम भाटिया, पूर्व सदस्य दलजीत भाटिया व असीम अग्रवाल को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। यह निर्णय तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। इसकी सूचना प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश महामंत्री (संगठन) को भी भेज दी गई है। वार्ड नंबर 19 से संजय लाकड़ा की पत्नी आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ रही है जबकि दो बार निगम सदस्य दलजीत सिंह भाटिया भी वार्ड नंबर 18 से आजाद प्रत्याशी के तौर पर किस्मत अजमा रहे हैं। टिकट न मिलने से सभी नेता चुनावी मैदान में कूदे हैं। इनकी वजह से कई वार्डों में समीकरण भाजपा के खिलाफ नजर आ रहे हैं। पूर्व निगम सदस्य दलजीत सिंह भाटिया की वजह से भाजपा प्रत्याशी चुनावी मैदान में नजर नहीं आ रहे हैं। इसी तरह दूसरे वार्डों में भी बागवत करने वाले नेताओं की वजह से भाजपा प्रत्याशियों की डगर मुश्किल हो गई है। नगर निकाय चुनाव में पार्टी से टिकट नहीं मिलने पर सभी दलों के नेताओं ने बागी हाने का रुख अपनाया है। जिससे सभी पार्टियों को काफी परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। वहीं, कुछ नेताओं को पार्टी मनाने की भी कोशिश कर रही है।

पार्टी ने शर्मा को मनाया

वार्ड नंबर 16 में आजाद नामांकन करने वाले भाजपा नेता हरीश शर्मा को पार्टी ने मना लिया है। प्रदेश महामंत्री अर्चना गुप्ता व अन्य नेता उनके घर पर पहुंचे। उन्हें पार्टी के साथ चलने को कहा। उनकी बात सुनने का आश्वासन दिया इसके बाद हरीश शर्मा ने पार्टी का साथ देने की बात कही है। वह भाजपा के एक वार्ड सदस्य पद के प्रत्याशी के चुनाव प्रचार में भी दिखे। उन्होंने बताया कि उन्होंने प्रदेश महामंत्री को कहा है कि पार्टी किसी एक नेता से नहीं चलती है। पार्टी में अनुशासन बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय किया गया। इसी के खिलाफ उन्होंने पार्टी के खिलाफ जाकर नामांकन भरा था, मगर उनका नामांकन भी रद्द करा दिया गया। उन्होंने कहा कि वह पार्टी में कुछ विशेष लोगों के खिलाफ थे। पार्टी ने उनकी बात सुनने का आश्वासन दिया है। गौरतलब है कि वार्ड 16 में नामांकन रद्द होने के बाद हरीश शर्मा फूट फूटकर रोए थे।

सीएमओ ने किया जिला अस्पताल का निरीक्षण

शहजादपुर। नागरिक अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते सीएमओ डॉ रेनू बेरी व अन्य अधिकारी।

- सिविल सर्जन बोली, अस्पताल में जल्द लगाई जाएगी फिजियोथेरेपिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की ड्यूटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| शहजादपुर

सिविल सर्जन अंबाला, डॉ. रेनू बेरी ने अपनी टीम के साथ नागरिक अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस निरीक्षण टीम में डिप्टी सिविल सर्जन डॉ. शील कांत पाजनी, डॉ. कुलविंदर कौर और एसएमओ इंचार्ज डॉ. परवीन कुमार विशेष रूप से उपस्थित रहे। सीएमओ की की टीम ने अस्पताल के सभी ओपीडी, फार्मेसी, लेबर रूम, इमरजेंसी और लेबोरेटरी का गहन निरीक्षण किया। टीम अस्पताल की चिकित्सीय सेवाओं और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली से अत्यंत प्रभावित दिखी। अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को संज्ञान में लेते हुए, सिविल सर्जन ने आश्वासन दिया कि जल्द ही यहाँ फिजियोथेरेपिस्ट, रेडियोलॉजिस्ट और अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों की ड्यूटी लगाई जाएगी ताकि मरीजों को बेहतर इलाज मिल सके। जांच टीम ने निर्माणाधीन नई बिल्डिंग का भी दौरा किया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नई बिल्डिंग का कार्य लगभग पूरा हो चुका है और शेष कार्य प्रगति पर है। सीएमओ ने अस्पताल की कार्यशैली, साफ-सफाई और उपलब्ध सुविधाओं की प्रशंसा की और व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया। इस अवसर पर अस्पताल प्रशासन को भविष्य में भी इसी प्रकार की उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं बनाए रखने के निर्देश दिए गए। इस औचक निरीक्षण से यह संदेश गया कि स्वास्थ्य विभाग अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर लगातार नजर बनाए हुए है और बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

रिहायशी घर से एक लाख की नकदी एवं गहने चोरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बराड़ा

उगाला गांव में एक बंद मकान से लाखों रुपए का कैश और सोने-चांदी के जेवरात चोरी हो गए। पीड़ित परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए यमुनानगर गया था। घर लौटने पर उन्हें ताले टूटे मिले और अलमारी से करीब 1 लाख रुपए कैश समेत भारी मात्रा में जेवरात गायब थे। गांव उगाला के सचिन शर्मा ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव के अड्डे पर 'डॉ लाल पैथ लैब' चलाते हैं। उसके माता-पिता कुरुक्षेत्र के सोंटी गांव में शिव मन्दिर में पूजा-पाठ करते हैं। वह कभी-कभार ही घर आते हैं। सचिन शर्मा 29 अप्रैल को अपने परिवार के साथ मौसी के लड़के की शादी में शामिल होने के लिए किशनपुरा दामला गए थे। घर से निकलते समय उन्होंने मेन गेट और कमरों पर अच्छी तरह से ताले लगाए थे। सचिन शर्मा के अनुसार, जब वे 1 मई की शाम को परिवार के साथ घर लौटे और ताला खोलकर बेडरूम में गए, तो वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। कमरे के अंदर रखी अलमारी के ताले टूटे हुए थे और सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने अलमारी में रखे करीब 1 लाख रुपए कैश और भारी मात्रा में सोने-चांदी के गहने चोरी कर लिए थे।

आंबेडकर को अर्पित की भावभीनी श्रद्धांजलि

शहजादपुर। श्री गुरु रविदास मंदिर माजरा शहजादपुर के प्रांगन में श्री गुरु रविदास सभा एवं मूलनिवासी संघ अम्बाला के सदस्यों के सहयोग से महात्मा बुद्ध की जयंती के अवसर पर, और मजदूर दिवस के अवसर पर , महात्मा बुद्ध और भारत रतन डॉ. बी आर अंबेड़कर को पुष्पांजलि दी गयी। डॉ. बीआर अंबेडकर सभा के सदस्य और मूलनिवासी संघ हरियाणा के कैशियर रविंद्र मोहन ने महात्मा बुद्ध और डॉ. बीआर अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डाला और ये भी बताया कि महात्मा बुध ने अपने आप को कभी भगवान नहीं माना। वो खुद ही कहा करते कि प्रकृति ही ईश्वर है। डॉ. बीआर अंबेडकर ने 14 अक्तूबर 1956 को हिंदू धर्म को छोड़ कर लाखों अनुयायियों साहित बौद्ध धर्म ग्रहण किया था। संविधान में मजदूरों को बारह (12) घंटे की ड्यूटी से आठ (8) घंटे की ड्यूटी करवाई। इस अवसर पर ,बिमल प्रकाश, संजीव कुमार, पूर्व सरपंच माजरा, कमलेश कुमारी, चरणों देवी, छोटी, सुनीता रानी, बबली, सुदेश, संतोष, गीता रानी, सुमन, नैबो देवी सहित अन्य मौजूद थे।

पूर्व विधायक ने श्री कृष्ण गोशाला को सौंपी 20.92 लाख की सहायता राशि

- प्रदेश में गोसेवा की पंरपरा को आगे बढ़ा रहे मुख्यमंत्री सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

शहजादपुर। प्रबंधकों को चेक सौंपते पूर्व विधायक व अन्य।

गो संरक्षण और संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पूर्व विधायक डॉ पवन सैनी ने प्रदेश सरकार एवं हरियाणा गोसेवा आयोग की ओर से 20,92,540 रुपये का चेक श्री कृष्ण गोशाला, यमकेश्वर तीर्थ हुसैनी के प्रबंधक सुमन गुप्ता एवं गोशाला समिति को सौंपा।

डॉ. पवन सैनी ने कहा कि गो संवर्धन के लिए पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान में केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल द्वारा स्थापित किये गए हरियाणा गोसेवा आयोग ने प्रदेश में गौसेवा को नई दिशा दी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री सैनी इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए गोशालाओं को हर संभव सहयोग प्रदान कर रहे है। गोशाला प्रबंधक सुमन गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा दी गई यह सहायता राशि गौशाला में गोवंश की देखभाल और व्यवस्थाओं को मजबूत करने में अत्यंत सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि इस सहयोग से गौसेवा को और गति मिलेगी।

जिले में गेहूं की आठ लाख पांच हजार 749 मीट्रिक टन की खरीद

- चार लाख 57 हजार 897 मीट्रिक टन का उठान पूर्ण : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिले में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से जारी है। मंडियों में किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। संबंधित एजेंसियों को उठान कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए, जिससे मंडियों में फसल का सुचारू प्रबंधन बना रहे। उपायुक्त ने बताया कि जिले में गत दिवस तक कुल आठ लाख पांच हजार 749 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 2,31,634 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 3,33,691 मीट्रिक टन, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा 10,426 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 2,29,998 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। मंडीवार आंकड़ों के अनुसार गत दिवस तक उचाना मंडी में 85,972 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा में 67,696 मीट्रिक टन, जींद में 91,906 मीट्रिक टन, अलेवा में 35,286 मीट्रिक टन, सफीदों में 89,985 मीट्रिक टन, जुलाना में 97,903 मीट्रिक टन तथा नरवाना में 84,954 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है।

मेधावी छात्रा मुस्कान ने 391 अंक प्राप्त कर कुरुक्षेत्र विवि में मारी बाजी

- छात्रा आशा ने 389 अंक लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के हाल ही में घोषित परीक्षा परिणामों में लाला अमी चंद मोंगा मेमोरियल कॉलेज ऑफ लॉ ने एक बार फिर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी उत्कृष्टता का परचम लहराया है। एलएलबी तीसरे सेमेस्टर के परिणामों में कॉलेज के छात्रों ने शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया। कॉलेज की मेधावी छात्रा मुस्कान ने 500 में से 391 अंक प्राप्त कर विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। छात्रा आशा ने 389 अंक लेकर द्वितीय स्थान प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया। कॉलेज स्तर पर भी छात्रा वंदना ने 376 अंक हासिल कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। लगातार बेहतर परिणामों के साथ यह संस्थान विश्वविद्यालय में अपनी मजबूत पहचान बना चुका है। हर बार आने वाले परिणाम इस बात का प्रमाण हैं कि यहां शिक्षा का स्तर, अनुशासन और मार्गदर्शन अन्य संस्थानों की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी है। कॉलेज के प्राचार्य ने सफल छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता तक सीमित नहीं है, बल्कि छात्रों के समग्र विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि नियमित कक्षाओं के साथ मूट कोर्ट प्रैक्टिस, सेमिनार और व्यक्तिगत मार्गदर्शन जैसी गतिविधियां छात्रों को आगे बढ़ने में मदद करती हैं।

गैस के दाम बढ़ने से खानपान कारोबारी बेहद चिंतित, रेल मंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

अंबाला। ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के कारण पैदा हुए वैश्विक ऊर्जा संकट का सीधा असर अब यात्री सुविधाओं पर पड़ता दिख रहा है। अखिल भारतीय रेलवे खानपान लाइसेंसीज वेलफेयर एसोसिएशन ने रेल मंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। कॉमर्शियल गैस सिलिंडर के रेट में 993 रुपये की बढ़ोतरी के साथ नई कीमत 3,071.50 रुपये हो गई है जबकि पहले 2,078.50 रुपये में कॉमर्शियल सिलिंडर आता था। इससे रेलवे स्टेशन पर काम करने वाले वेंडरों की चिंता बढ़ गई है। वेंडरों का कहना है कि कच्चे माल की कीमतों में भी 10 से 30 फीसदी तक का इजाफा हुआ है। 10 साल से नहीं बढ़े चाय-पानी के दाम : एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र गुप्ता ने बताया कि वेंडरों की कुल बिक्री का 40 प्रतिशत हिस्सा चाय और रेल नीर जैसी बोतलबंद पानी से आता है। दुखद पहलू यह है कि पिछले 10 वर्षों से इनके दाम नहीं बढ़ाए गए हैं। जहां शहरों में पानी की बोतल 20 रुपये में बिकती है, वहीं रेलवे स्टेशनों पर इसे 15 रुपये में बेचने को मजबूर किया जा रहा है। हाल ही में रेल नीर की एमआरपी भी घटाकर 14 रुपये कर दी गई है। स्थिति की विडंबना यह है कि जहां रेलवे स्टेशनों के बाहर शहरों में पानी की एक बोतल 20 रुपये में बिकती है, वहीं रेलवे परिसरों में वेंडरों को इसे मात्र 15 रुपये में बेचने के लिए बाध्य किया जाता है। हाल ही में "रेल नीर" नामक बोतलबंद पानी की अधिकतम खुदरा कीमत को घटाकर 14 रुपये कर दिया गया है, जिससे वेंडरों की आय पर और दबाव पड़ा है।वेंडरों का कहना है कि यदि यही स्थिति बनी रही तो उनके लिए व्यवसाय चलाना मुश्किल हो जाएगा। उन्होंने सरकार से मांग की है कि या तो गैस और अन्य आवश्यक वस्तुओं पर सब्सिडी दी जाए या फिर चाय और पानी जैसी वस्तुओं के दाम बढ़ाने की अनुमति दी जाए।

संजीव वर्मा मंडल कमिश्नर ऑब्जर्वर नियुक्त

अंबाला। रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त उपायुक्त विराट ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग हरियाणा द्वारा नगर नगम आम चुनाव 2026 के सफलतापूर्वक आयोजन को लेकर सामान्य पुलिस व व्यय पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम चुनाव के दृष्टिगत सामान्य ऑब्र्जवर के तौर पर अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा लगाए गए हैं। पुलिस ऑब्जर्वर के तौर पर आईजी ओम प्रकाश लगाए गए हैं। व्यय पर्यवेक्षक के रूप में उप आबकारी एवं काराधान विभाग के आयुक्त जितेंद्र डूडी को जिम्मेदारी दी गई है। चुनाव संबंधी जानकारी के लिए सामान्य ऑब्र्जवर कार्यालय के दूरभाष नंबर 0171-2600444, पुलिस ऑब्जर्वर के तौर मोबाईल नंबर 8295104000 व व्यय पर्यवेक्षक के तौर पर मोबाईल नंबर 9654850000 पर संपर्क किया जा सकता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

जींद उपमंडल में राष्ट्रीय लोक अदालत नौ मई को

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नौ मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायिक परिसर जींद-उपमंडल स्तर पर नरवाना व सफीदों में लोक अदालत का आयोजन होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि आपसी समझौते से हल हो सकने वाले मामले में लोक अदालत काफी कारगर सिद्ध हो रही है। लोक अदालत में सस्ता व सुलभ न्याय मिलता है तथा प्रक्रिया बिल्कुल साधारण है। जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से केसों का निपटारा किया जाता है। जिनमें लोगों के धन व समय की बचत होती है। लोक अदालत में लोगों के समय और पैसे दोनो चीजों की बचत होती है।

गुजरात के जनजातीय विकास विभाग के निदेशक ने किया अवलोकन

शहीदी स्मारक में खूबसूरती से उकेरी शहीदों की गाथाएं

अंतरराष्ट्रीय शहीदी स्मारक 1857 की क्रांति के अनसंग करेगा डिजिटल गाथाओं का वर्णन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला

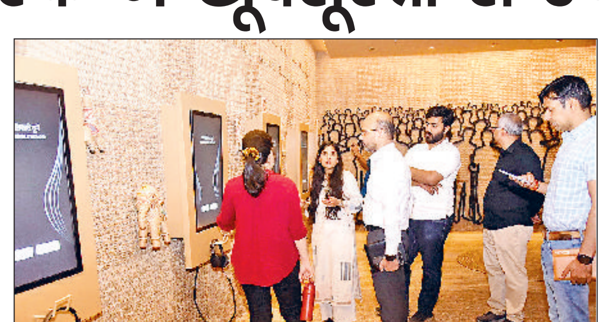

अंबाला। आर्ट कार्यों का अवलोकन करते आईएएस आशीष कुमार व अन्य ।

गुजरात के जनजातीय विकास विभाग के निदेशक आशीष कुमार ने कहा कि आजादी की पहली लडाई का अंतर्राष्ट्रीय शहीदी स्मारक 1857 की क्रांति के अनसंग शहीदों की गाथाओं को डिजिटल व आर्ट एक्जीबिट के किए गए बेहतरीन कार्यों से दर्शकों का बखूबी वर्णन करेगा। इस स्मारक में डिजिटल माध्यम से आजादी की लडाई के शहीदों के बलिदान का बखूबी वर्णन किया गया है। यह स्मारक न केवल ऐतिहासिक महत्व रखता है, बल्कि नई पीढ़ी को आजादी के लिए शहीदों के बलिदान की जानकारी देने व उन्हें प्रेरित करने में अहम भूमिका निभाएगा। आईएएस आशीष कुमार शनिवार को अंबाला -दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर अंबाला छावनी में स्थित आजादी की पहली लडाई अंतर्राष्ट्रीय शहीदी स्मारक में किए गए कार्यों का अवलोकन करने के लिए पंहुचे थे। शहीदी स्मारक के निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी ने उनका यहां पंहुचने पर हार्दिक अभिंदन किया। बता दें कि गुजरात सरकार के जनजातीय विकास विभाग की परियोजना के तहत एक संग्रहालय बनाया जा रहा है। इस संबंध में जनजातीय विकास विभाग गुजरात के निदेशक यहां पंहुचे थे।

शॉट फिल्म गैलरी की गई प्रदर्शित

निदेशक डॉ. कुलदीप सैनी ने एक संक्षिप्त वीडियो के माध्यम से स्मारक के विकास, संरचना और विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परियोजना के अंतर्गत इंटरप्रिटेशन सेंटर, म्यूजियम, ओपन एयर थियेटर, ऑडिटोरियम, वाटर बॉडी, हेलीपैड, मेमोरियल टॉवर, स्टाफ क्वार्टर तथा कार पार्किंग सहित अनेक सुविधाओं का विकास किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि 1857 की क्रांति से संबंधित शॉट फिल्म तैयार कर गैलरी में प्रदर्शित की गई है, जो पर्यटक एवं दर्शकों को डिजिटल व अन्य माध्यमों इतिहास से जोडने का कार्य करती हैं।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटर: मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरी: इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिस: सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियर: यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

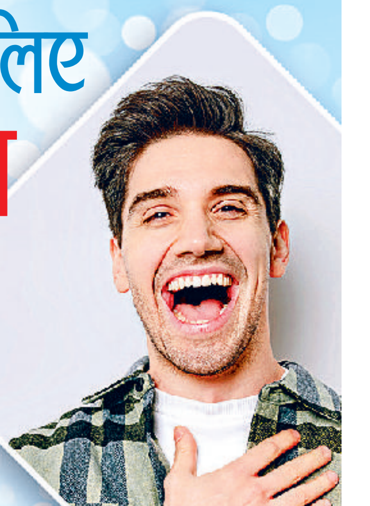

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना है: अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायक: हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूत: हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावर: दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

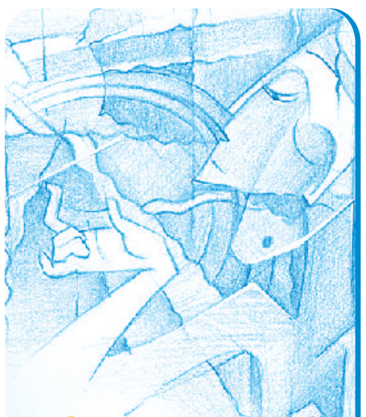

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

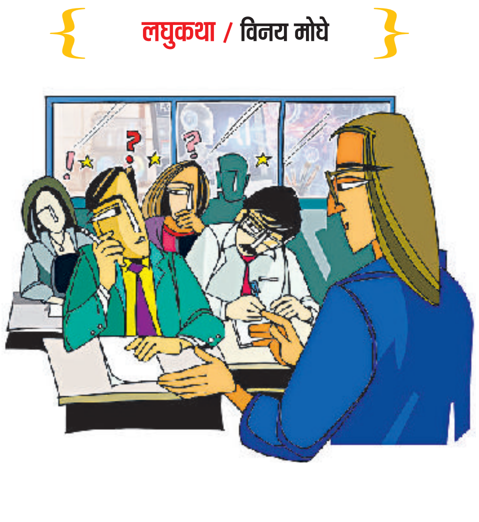

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिका: पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादक:** देवांशु, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थल:** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

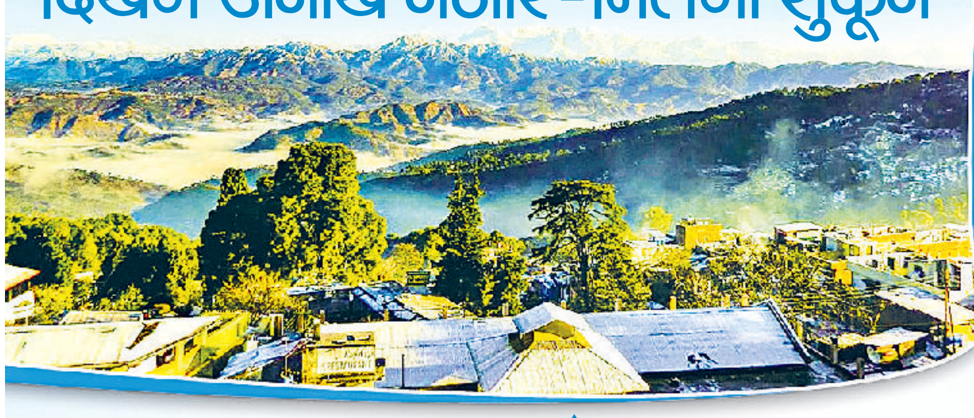

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेंड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अद्भुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक / शिखर चंद जैन

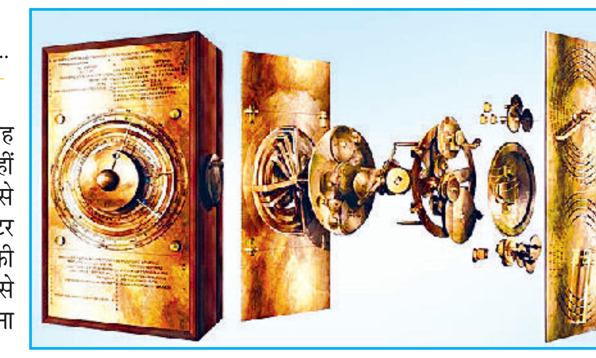

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट / अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।

पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।

ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।

एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।

ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

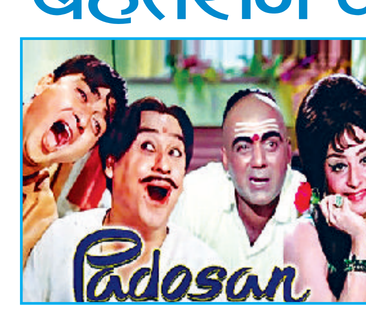

सिने ट्रेंड / अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *